भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3188
शुक्रवार 06 दिसम्बर, 2019 को उत्तर देने के लिए

प्रौद्योगिकी संस्थान

3188. श्री सुनील कुमार पिन्टू:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का विचार देश में, विशेष रूप से बिहार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के लिए इन्हें सुलभ बनाने हेतु प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना करने का है;

(ख) यदि हां, तो क्या बिहार के सीतामढ़ी में उक्त संस्थानों की स्थापना किए जाने का विचार है;

(ग) यदि हां तो उक्त संस्थान कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(डा. हर्ष वर्धन)

(क) और (ख): विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संवर्धन के लिए 80 स्वायत्त संस्थान हैं। ये संस्थान छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं को अपने कार्य में शामिल करके अनुसंधान के उभरते हुए और अग्रणी क्षेत्रों को सुकर बनाते हैं। तथापि, अभी तक, निकट भविष्य में, बिहार सहित कहीं भी नवीन संस्थान की स्थापना करने का प्रस्ताव नहीं है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

(घ): विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पास यद्यपि इस प्रकार का कोई प्रस्ताव नहीं है, तथापि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स, पटना), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पटना), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, भागलपुर) और राष्ट्रीय भेषज शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर, हाजीपुर) जैसे कई अन्य प्रमुख संस्थानों की स्थापना भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों द्वारा बिहार में पहले ही की जा चुकी है।

****